चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-8-23	4	1-4

हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कराया सर्वे

कपास की फसल में हो सकता है गुलाबी सुंडी व हरा तेला का प्रकोप, सप्ताह में निरीक्षण जरूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

कपास की फसल में रस चूसने वाले कीट सफेद मक्खी एवं हरा तेला का प्रकोप हो सकता है। इसकी निगरानी के लिए प्रति एकड़ 20 पौधों की तीन पत्तियों (एक ऊपर, एक मध्यम और एक नीचले भाग से) पर इनकी गिनती साप्ताहिक अंतराल पर करें। सफेद मक्खी व हरा तेला का आर्थिक कगार क्रमशः 18 से 24 वयस्क एवं 6 शिशु प्रति 3 पत्तियां है। कीटों की संख्या आर्थिक कगार से ऊपर पहुंचने पर ही सिफारिश किए गए कीटनाशकों का छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज ने बताया कि कपास की फसल में हरा तेला का प्रकोप होने पर 40 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड (कॉन्फीडोर) 200 एसएल या 40 ग्राम थायामिथॉक्साम (एकतारा) 25 डब्लूजी को 120-150 लीटर पानी की दर से एक एकड़ में छिड़काव करें।

40 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड (कॉन्फीडोर) 200 एसएल का छिड़काव करें

कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल मलिक ने बताया कि सफ़ेद मक्खी के आर्थिक कगार पर पहुंचने पर 300 मिलीलीटर डाईमेथोएट रोगोर 30 ई.सी./ऑक्सीडेमेटोन मिथाइल मेटासिस्टोक्स 25 ई.सी. के साथ 1 लीटर नीम आधारित कीटनाशक (नीमबीसीडीन/अचूक) या 400 मिलीलीटर पाइरिप्रोक्सिफ़ेन (डायटा) 10 ई.सी. या 240 मिलीलीटर स्पिरोमेसिफेन (ओबेरोन) 22.9 एससी को 200 से 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से 10 से 12 दिनों के अंतराल पर आवश्यकतानुसार बारी-बारी से छिड़कांव करें। पाइरिप्रोक्सिफ़ेन व स्पिरोमेसिफेन सफ़ेद मक्खी की शिशु निम्फ अवस्था के प्रति काफी प्रभावी हैं। हरा तेला एवं सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर फ्लोनिकामिड (उलाला) 50 घु.द. की 60 ग्राम मात्रा या एफिडोपग्रोपेन (सेफिना) 50त्र/रु डी.सी. की 400 मिलीलीटर मात्रा को 200 लीटर पानी की दर से प्रति एकड़ स्प्रे करें।

गुलाबी सुंडी की बीमारी लगी फसल को देखते विशेषज्ञ।

20 टिंडों में एक या दो पर गुलाबी सुंडी मिलने पर लें कृषि विशेषज्ञों से सलाह

कीट विशेषज्ञ डॉ. अनिल जाखड़ ने बताया कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की निगरानी फूलों एवं टिंडों पर करें। फलीय भागों पर 5 से 10 प्रतिशत से अधिक प्रकोप इसका आर्थिक कगार है। गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए दो फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं। मध्य अगस्त तक लगातार तीन रातों में गुलाबी सुंडी के 12 से 15 प्रौढ़ प्रति ट्रैप आने पर या 20 टिंडों में एक से दो टिंडे गुलाबी सुंडी के कारण ग्रसित मिलने पर सिफारिश किए गए कीटनाशकों का छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-8-23	5	1-6

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत को शहद की मिठास दे रहा 12वीं पास किसान

चेतन सिंह ● हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का जो सपना देखा, वह साकार होता दिख रहा है। हुनर के बल पर प्रदेश के कई किसान आत्मनिर्भरता के मंत्र से नित नए आयाम भी स्थापित करने में जुट गए हैं। उनमें से एक नाम है हिसार के 12वीं पास किसान अजमेर का।

आर्यनगर के रहने वाले अजमेर पारंपरिक शहद उत्पादन तकनीक से हटकर व्यवसाय कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि वह खुद तो लाखों रुपये कमा रहे हैं बल्कि सात लोगों की आजीविका का जरिया भी बने हुए हैं। अजमेर 10 तरह के शहद का उत्पादन कर रहे हैं। यह शहद कई वैरायटी में है। इसमें में सरसों, शीशम, सफेदा, जांटी, लीची, अजवायन, मल्टी, केसिया और बेर का स्वाद ले सकते हैं।

किसान अजमेर ने शहद उत्पाद की ट्रेनिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से 2016 में ली थी। इसके बाद अजमेर ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 20 लाख रुपये का ऋण लेकर स्टार्टअप शुरू किया किया। इसके बाद भी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से सहयोग मिलता रहा।

धीरे-धीरे इन्होंने अपने उत्पाद की खुद मार्केटिंग शुरू की। आर्डर भी हिसार के न्यायधीशों से लेकर तमाम बड़े अधिकारियों से मिले। धीरे-धीरे आजीविका बढ़ती गई। अब इन्होंने सात लोगों को अपने साथ जोड़ लिया है। किसान अजमेर के पास 525 बाक्स हैं। 15 दिन में शहद तैयार होता है।

स्वावलंबन के सारथी

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 20 लाख का ऋण लेकर अजमेर ने शुरू किया स्टार्टअप, तैयार कर रहा 10 तरह का शहद

शहद एकत्रित किए जाने वाले बाक्स के साथ किसान अजमेर। ● जागरण

शहद की पैकिंग के लिए टैंक और मशीन। ● जागरण

दूसरे राज्यों में जाकर करते हैं उत्पादन

अजमेर ने बताया कि इन शहद को बनाने के लिए उनकी टीम अलग-अलग राज्यों में बाक्स लेकर जाती है। शुरुआत वह अपने गांव से करते हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर अलग-अलग वैरायटी का शहद मधुमखियां बनाती हैं। अजमेर ने आर्यनगर स्थित अपने घर में ही प्रोसेसिंग प्लांट लगाया है जिससे वह शहद की पैकिंग का काम करते हैं। सबसे महंगा शहर कश्मीर घाटी से केसिया के फूलों से निकलता है जो 1200 रुपये किग्रा तक बिकता है। अजमेर का सालाना 15 लाख रुपये टर्नओवर है और वह महज 12वीं पास हैं। अजमेर इससे पहले दूध बेचने का काम करते थे।

इस मौसम में इस वेरायटी का निकलता है शहद

अजमेर दिसंबर, जनवरी वह अपने गांव के खेतों में सरसों के फूलों से शहद बनाते हैं। इसके बाद वह फरवरी मे अपने आधे बाक्स को फरवरी में पंजाब के पठानकोठ में लीची के बाग में लगा देते हैं। आधे बाक्स वह रख लेते हैं। 10 मार्च के बाद शीशम से शहद एकत्रित किया जाता है। वहीं पठानकोट में रखे बाक्स को उठाकर वह जम्मू के कठुआ और हिमाचल के कांगड़ा ले जाते हैं यहां से मल्टी किस्म का शहद एकत्रित किया जाता है। वहीं 14 अप्रैल को गांव में रखे बाक्स को राजस्थान के भादरा क्षेत्र में ले जाकर जांटी के पौधे से शहद किया जाता है। वहीं कठुआ और कांगड़ा में रखे बाक्स को अप्रैल से सितंबर तक कश्मीर घाटी के अलग क्षेत्र में रख दिया जाता है। यहां इन दिनों केसिया के फूल खिलते हैं। सितंबर तक यहां बाक्स रखने के बाद अक्टूबर महीने में भादरा और श्री गंगानगर में बेरी के पेड़ों के पास बाक्स रखे जाते हैं।

एचएयू युवाओं को बना रहा आत्मनिर्भर : कुलपति

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय लगातार बेरोजगार युवाओं को अपने यहां व्यवसायिक प्रशिक्षण दे रहा है, ताकि वह ना केवल आत्मनिर्भर बन सके बल्कि दूसरों को भी अपने साथ जोड़कर उनको भी रोजगार प्रदान कर सके। विश्वविद्यालय इसी सोच को लेकर काम कर रहा है। हम आगे भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाते रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.8.23	2	5-6

विमेंस न्यूज

'कृषि में महिलाएं' स्कीम की आईसीआर-सीईडब्ल्यूए की निदेशक ने की समीक्षा

कुलपति से मिल स्कीम की बेहतरी के लिए विचार-विमर्श

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ती सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात की। साथ इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया।

डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ती सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.8.23	3	7-8

गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोले जाएं : डा. मृदला

डॉ. मृदुला देवी दौरे के दौरान कृषि में महिलाएं स्कीम से जुड़े वैज्ञानिकों व शिक्षाविदें से मुलाकात करती हुई। ●पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ती सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डा. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया। डा. मृदुला देवी ने परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	10-8-23	10	4-7

कुलपति से मुलाकात कर स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए किया मंथन

गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का दिया सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ती सामुदायिक महाविद्यालय में कृषि में महिलाएं पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया। डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए।

हिसार। दौरे के दौरान कृषि में महिलाएं स्कीम से जुड़े वैज्ञानिकों व शिक्षाविदें से मुलाकात करती डॉ. मृदुला देवी। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी सहित संबंधित टीम के कार्यों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.8.23	5	1-2

डॉ. मृदुला देवी दौरे के दौरान कृषि में महिलाएं स्कीम से जुड़े वैज्ञानिकों व शिक्षाविदें से मुलाकात करती हुई।

हकृवि में चल रही 'कृषि में महिलाएं' स्कीम की आईसीआर-सीआईडब्ल्यूए की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने समीक्षा की

हिसार, 9 अगस्त (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया।

डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी सहित संबंधित टीम के कार्यों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	10.8.23	5	7-8

महिलाएं स्कीम की आईसीआर-सीआईडब्ल्यूए की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने की समीक्षा

- विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए किया विचार-विमर्श

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया।

डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए।

इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी सहित संबंधित टीम के कार्यों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय .

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.8.23	4	7-8

निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने हकृवि का किया दौरा

हिसार, 9 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ती सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया।

इस 2 दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया। डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.08.2023	--	--

आईसीआर-सीआईडब्ल्यूए की निदेशक ने हकृवि में चल रही 'कृषि में महिलाएं' स्कीम की की समीक्षा

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय में 'कृषि में महिलाएं' विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया।

डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी सहित संबंधित टीम के कार्यों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.08.2023	--	--

डॉ. मृदुला ने की कृषि में महिलाएं परियोजना की समीक्षा

नभ-छोर न्यूज ⏭ 09 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय में कृषि में महिलाएं विषय पर चल रही परियोजना की समीक्षा करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर की निदेशक डॉ. मृदुला देवी ने दौरा किया। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात की। साथ ही इस स्कीम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए विचार-विमर्श किया। डॉ. मृदुला देवी ने दौरे के पहले दिन उपरोक्त परियोजना में कार्यरत वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही परियोजना के बेहतर क्रियान्वन के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों व संबंधित टीम से अधिक से अधिक

उद्यमियों को प्रेरित करना व गांवों में कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का सुझाव भी दिया। उन्होंने इस स्कीम के तहत अपनाए गए गांवों का दौरा कर ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और उन्हें सफल उद्यमी बनने के टिप्स भी दिए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, इंद्रा चक्रवर्ति सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता से भी मुलाकात कर अपने दौरे से जुड़े तथ्यों व विषय के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के वैज्ञानिकों डॉ. किरण सिंह, डॉ. वीनू सांगवान, डॉ. पूनम मलिक व संतोष रानी सहित संबंधित टीम के कार्यों की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.8.23	2	7-8

साइना नेहवाल सभागार में जागरूकता शिविर का आयोजन

साइना नेहवाल सभागार में जागरूकता शिविर में भाग लेते हुए।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविदयालय के साइना नेहवाल सभागार में जिला एमएसएमई हिसार द्वारा सहायक निदेशक जनक कुमार की अध्यक्षता में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभाग द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य एवं प्रशंसकरण योजना बारे विस्तार से बताया गया। इसमें मुख्यालय से प्रदीप, वीरेंद्र उप अधीक्षक ने विभाग की अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। जिले के अन्य लोगों ने योजनाओं को अच्छे से समझा व इनमें से बहुत से लोगों ने नए खाद्य उद्योग लगाने बारे अपनी इच्छा जाहिर की।